समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

संघर्ष से शिखर तक : ए1 सैलून के संस्थापक शेखर वसंत इभाड की उद्यम यात्रा

Publisher

Published on 17 Jan 2026

हर सफल उद्यमी के पीछे संघर्ष, विश्वास और दृढ़ संकल्प की एक अनकही कहानी छिपी होती है। सासवड के प्रतिष्ठित व्यवसायी और **ए1 सैलून** के संस्थापक **शेखर वसंत इभाड** की यात्रा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि सपनों के साथ की गई मेहनत कैसे असाधारण सफलता का रूप लेती है।

आज भले ही शेखर एक स्थापित उद्यमी के रूप में पहचाने जाते हों, लेकिन वे मानते हैं कि सफलता की असली कहानी चमक-दमक नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या, धैर्य और परिश्रम होती है।

1983 से शुरू हुई विरासत

ए1 सैलून की जड़ें वर्ष 1983 से जुड़ी हैं, जब शेखर के पिता ने गाँव में एक छोटा सा सैलून शुरू किया था। परिवार की आर्थिक स्थिति साधारण थी और दुकान से होने वाली सीमित आय पर दो परिवारों की जिम्मेदारी टिकी हुई थी।

बेहतर भविष्य की तलाश में उनके पिता ने व्यवसाय को पुरंदर तालुका के सासवड में स्थानांतरित किया। उस समय शेखर स्कूली छात्र थे। बचपन से ही उन्होंने दुकान के संघर्ष को करीब से देखा और पढ़ाई के साथ-साथ काम में हाथ बँटाना शुरू किया। यही वर्ष उनके लिए असली व्यावसायिक प्रशिक्षण साबित हुए।

शिक्षा, नौकरी और नया सपना

शेखर का मानना था कि पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ाने के साथ उन्हें अपनी अलग पहचान भी बनानी है। उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की और 2014 में प्रथम श्रेणी में स्नातक बने।

इसके बाद एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय कंपनी में नौकरी मिली। मेहनत और काबिलियत के बल पर मात्र 24 वर्ष की उम्र में वे विभाग प्रमुख (HOD) बन गए। अच्छी तनख्वाह और सम्मानजनक जीवन के बावजूद उनके भीतर का उद्यमी मन संतुष्ट नहीं था।

शेखर कहते हैं—
“जिसके खून मे व्यापार होता है, उसे नौकरी कभी पूरी संतुष्टि नहीं दे सकती।”

लॉकडाउन मे लिया साहसिक फैसला

जब उन्होंने खुद का व्यवसाय शुरू करने का निर्णय लिया, उसी दौरान कोरोना लॉकडाउन लग गया। चारों ओर अनिश्चितता थी, लोग उन्हें सुरक्षित नौकरी न छोड़ने की सलाह दे रहे थे।

लेकिन अपने हुनर और पिता के दिए संस्कारों पर भरोसा कर शेखर ने संकट के बीच ही **‘ए1 सैलून’** की नींव रखी। जो कदम उस वक्त जोखिम भरा लग रहा था, वही उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट बन गया।

ए1 सैलून की आज की पहचान

आज ए1 सैलून एक छोटे से पारिवारिक दुकान से आगे बढ़कर एक मजबूत ब्रांड बन चुका है—

- सासवड में 2 मुख्य आउटलेट और 3 शाखाएँ
- 12 आधुनिक चेयर सेटअप
- 15 प्रशिक्षित प्रोफेशनल
- सुबह 8 से रात 10 बजे तक सेवाएँ
- पुणे से मात्र 25 किमी दूरी पर स्थित भरोसेमंद ग्रूमिंग डेस्टिनेशन

गुणवत्तापूर्ण सेवाओं और पेशेवर व्यवहार के कारण ए1 सैलून पूरे क्षेत्र में लोकप्रिय हो चुका है।

सफलता के तीन मजबूत स्तंभ

शेखर अपनी उपलब्धियों का श्रेय तीन बातों को देते हैं—

1. **शिक्षा** – इंजीनियरिंग की पढ़ाई ने उन्हें प्रबंधन और वित्तीय अनुशासन सिखाया।
2. **निरंतरता** – उतार-चढ़ाव में भी धैर्य बनाए रखना।
3. **पारिवारिक मार्गदर्शन** – पिता के संस्कार आज भी व्यवसाय की नींव हैं।

आने वाले समय का लक्ष्य

शेखर के लिए व्यवसाय केवल कमाई का जरिया नहीं, बल्कि समाज के लिए योगदान का माध्यम है। उनका सपना है—

- ग्रामीण युवाओं को रोजगार देना
- प्रोफेशनल सैलून ट्रेनिंग सेंटर शुरू करना
- ए1 सैलून को और शहरों तक विस्तार देना

वे दृढ़ विश्वास के साथ कहते हैं—
“परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन हों, अगर सपने बड़े और मेहनत सच्ची हो, तो लॉकडाउन भी सफलता को नहीं रोक सकता।”

सम्मान और पहचान

शेखर वसंत इभाड की इस शानदार उपलब्धि को “**Maharashtra Business Icon 2025** / **Maharashtra Style Icon 2025** / **Maharashtra Fashion Icon 2025**” जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कारों के लिए चुना गया है। यह सम्मान

Reseal.in और **India Fashion Icon Magazine** द्वारा उन उभरते उद्यमियों और रचनात्मक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है।

भव्य पुरस्कार समारोह

इस पुरस्कार समारोह में कई प्रसिद्ध फिल्मी हस्तियाँ शामिल होंगी:
 वर्षा उसगांवकर – बॉलीवुड अभिनेत्री
 सोनाली कुलकर्णी – भारतीय अभिनेत्री
 प्रार्थना बेहेरे – भारतीय अभिनेत्री

यह आयोजन **श्री सुधीर कुमार पठाडे**, *Founder & CEO, Sure Me Multipurpose Pvt. Ltd. (Reseal.in)* के नेतृत्व में आयोजित किया जाएगा, जो महाराष्ट्र के उद्यमियों और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच देने के लिए कार्यरत हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.